सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 9 ● अंक: 171 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 28 जुलाई, 2023
मूल्य ₹ 3/-

जो व्यक्ति अपने बारे में नही सोचता, वो सोचता ही नहीं है।
-ऑस्कर वाइल्ड

पीएम घबराकर बार-बार आ रहे... 7 | चुनावी गुणा-भाग में जुटे सियासी... 3 | गंगा-जमुनी तहजीब को खत्म कर.. 2

फिर हंगामे की भेंट चढ़ गया सत्र का पूरा सप्ताह

» सातवें दिन भी सत्ता पक्ष व विपक्ष में नोक-झोंक

» रास सभापति धनखड़ व टीएमसी सांसद डेरेक ओ ब्रायन में तीखी बहस

» लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही 31 जुलाई तक के लिए स्थगित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आखिरकार संसद के मानसून सत्र का ये पूरा सप्ताह हंगामें की भेंट चढ़ गया। शनिवार को कार्यवाही होते दोनो सदनों में मणिपुर हिंसा का मुद्दा छाया हुआ है। केंद्र सरकार और विपक्षी दलों के बीच इस मुद्दे पर लगातार गतिरोध बना रहा। इस बीच राज्यसभा में मणिपुर मामले पर चर्चा के लिए शुरू हुई नारेबाजी और हंगामे के बाद राज्यसभा की कार्यवाही को सोमवार (31 जुलाई) को स्थगित कर दिया गया।

वहीं कुछ इसी तरह का शोरशराबा लोक सभा भी दिखाई दिया उसके बाद वहां भी कार्यवाही 31 जुलाई तक के लिए स्थगित हो गई। राज्य सभा सभापति व टीमएसी सांसद डेरेक ओ ब्रायन के बीच इसी मुद्दे को लेकर तीखी बहस भी हुई। गौरतलब हो कि मणिपुर हिंसा मामले पर विपक्षी दल पीएम नरेंद्र मोदी के बयान की मांग पर अड़े हुए हैं। लोकसभा की कार्यवाही शुरू होने के साथ ही विपक्ष के सांसदों ने नारेबाजी और हंगामा होने लगा, इसके बाद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने लोकसभा की कार्यवाही को दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया। हालांकि इस बीच दो विधेयक भी पारित किए गए।

सरकार बहाने बना रही है : अधीर

कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि नियम 198 के तहत हमारे पास अविश्वास प्रस्ताव है। इस नियम के अनुसार चर्चा (मणिपुर के संबंध में) तुरंत होनी चाहिए, सरकार नहीं चाहती कि सदन के अध्यक्ष उनसे सवाल पूछें, वे मुद्दों से बचने के लिए बहाने दे रहे हैं।

नियमों को ताक पर रखकर पेश हो रहे बिल : राघव चड्ढा

आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने कहा, संसदीय परंपरा कानून प्रक्रिया के तहत जब अविश्वास प्रस्ताव लोकसभा में पेश होता है और उसे मंजूर कर लिया जाता है तो कोई भी विधेयक या बिल सदन के भीतर नहीं लाया जाता। जब तक अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा नहीं होती, इस बार तमाम नियमों को ताख पर रखते हुए बिल पेश किए जा रहे हैं और उन्हें पारित किया जा रहा है, जो दुःखद है. मैं लोकसभा अध्यक्ष और केंद्र सरकार से अपील करता हूं कि जब तक अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा और मतदान नहीं हो जाता, तब तक कोई बिल पेश न किया जाए। राघव चड्ढा ने कहा, विपक्षी गठबंधन इंडिया का एक प्रतिनिधिमंडल मणिपुर जाएगा। हम मणिपुर के लोगों का समर्थन और उनके लिए स्टैंड लेने की आशा करते हैं, मणिपुर वायरल वीडियो केस को 85 दिनों बाद सीबीआई को देना बहुत देर की जा चुकी है।

मोदी व बीजेपी पर लोगों को विश्वास : सिंधिया

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया. पर निशाना साधते हुए कहा कि जो पार्टियां एकदूसरे से नफरत करती थीं, अब एक परिवार की तरह साथ आ रही हैं, उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी और बीजेपी पर लोगों का विश्वास है, इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि बीजेपी एक बार फिर से 2024 के लोकसभा चुनाव में जीत हासिल करेगी।

विपक्ष को पाकिस्तान, श्रीलंका और चीन जाना चाहिए : रवि किशन

भाजपा सांसद रविकिशन ने कहा कि इंडिया गठबंधन के प्रतिनिधिमंडल के मणिपुर दौरे को लेकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि वे (विपक्ष) जहां चाहें वहां जा सकते हैं। उन्हें पाकिस्तान, श्रीलंका और चीन जाना चाहिए।

मणिपुर मामले पर आज नहीं होगी सुनवाई

» सीजेआई चंद्रचूड़ की बेंच नहीं है उपलब्ध

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार (28 जुलाई) को मणिपुर हिंसा और दो महिलाओं को निर्वस्त्र घुमाए जाने के मामले पर सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच को सुनवाई करनी थी। हालांकि, चीफ जस्टिस धनंजय वाई चंद्रचूड़ के शुक्रवार को उपलब्ध न होने के चलते उनकी बेंच नहीं बैठेगी। ऐसे में मणिपुर मामले की सुनवाई आज नहीं हो सकेगी।

मणिपुर में दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर घुमाए जाने के मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और राज्य सरकार से जवाब मांगा था। कोर्ट ने केंद्र और राज्य सरकार से पूछा था कि उन्होंने क्या एक्शन लिया है? जिसके बाद मणिपुर वीडियो मामले पर सुनवाई से एक दिन पहले यानी गुरुवार (27 जुलाई) को केंद्र सरकार ने हलफनामा दाखिल किया। सूत्रों के मुताबिक, केंद्र ने हलफनामा दाखिल कर कोर्ट से कहा कि राज्य सरकार की सहमति लेकर मामले की जांच सीबीआई को ट्रांसफर कर दी गई है। मुकदमे का तेजी से निपटारा जरूरी है। साथ ही केंद्र ने अपील की है कि मुकदमा राज्य से बाहर ट्रांसफर करने का आदेश दिया जाए और सुनवाई करने वाली निचली अदालत को यह निर्देश भी दे कि चार्जशीट दाखिल होने के 6 महीने के भीतर फैसला दे।

राज्य में 35 हजार अतिरिक्त फोर्स तैनात

मणिपुर में शांति बहाल करने की कोशिशें तेज है। मणिपुर में महिलाओं के साथ हुई अभद्रता पर गृह मंत्रालय एक्शन में है। मणिपुर में हालातों को काबू पाने के लिए 35 हजार अतिरिक्त फोर्स तैनात की गई है। 18 जुलाई के बाद हिंसा की कोई बड़ी घटना नहीं हुई है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह कुकी और मैतई दोनों समुदायों के प्रतिनिधियों के संपर्क में हैं। सूत्रों के मुताबिक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मणिपुर के हर घटनाक्रम पर नजर रखे हुए हैं। गृह मंत्री अमित शाह से पीएम मोदी हर जानकारी ले रहे हैं।

आजम को कोर्ट का झटका

» इलाहाबाद हाईकोर्ट का आदेश

» सपा नेता को देना होगा वायस सैंपल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। भड़काऊ भाषण मामले में समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री आजम खान को वायस सैंपल देना होगा। इलाहाबाद हाईकोर्ट से आजम खान को करारा झटका लगा है। उन्होंने एमपी-एमएलए कोर्ट रामपुर के आदेश को चुनौती दी थी, हाईकोर्ट ने याचिका खारिज करते हुए आजम खान को वायस सैंपल देने का निर्देश दिया, जस्टिस राजीव मिश्र की सिंगल बेंच में सपा नेता की याचिका पर सुनवाई हुई।

हाईकोर्ट ने आजम खान की मांग नामंजूर करते हुए आवाज का नमूना रिकॉर्ड कराने का निर्देश दिया। बता दें कि 2007 के विस चुनाव में आजम ने जनसभा को संबोधित करते हुए भड़काऊ भाषण दिया था।

आवाज का नमूना रिकॉर्ड कराने का मिला निर्देश

ट्रायल के दौरान बात सामने आई कि भाषण की ऑडियो वीडियो रिकॉर्डिंग विवेचक ने केस डायरी का हिस्सा बनाया लेकिन आरोप पत्र में रिकॉर्डिंग का जिक्र नहीं है। रामपुर की एमपी-एमएलए कोर्ट ने आजम खान की आवाज का नमूना रिकॉर्ड कर सीडी में रिकॉर्ड ऑडियो से मिलान कराने का निर्देश दिया. आजम खान ने आदेश के खिलाफ आपत्ति दर्ज कराई. 29 अक्टूबर 2022 को स्पेशल कोर्ट एमपी-एमएलए ने आपत्ति खारिज कर दी।

गंगा-जमुनी तहजीब को खत्म कर रही भाजपा : अखिलेश

» पश्चिमी यूपी को साधने की तैयारी में सपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मेरठ। मुस्लिम वोटों को मुगल पहचान के साथ खड़े आगरा में मुगल म्यूजियम का नाम बदलने पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने योगी सरकार पर प्रश्न खड़ा किया। कहा कि सपा सरकार ने गंगा-जमुना तहजीब के लिए यह प्रयास किया था। वह मुगल पहचानों के साथ खड़े होकर आवाज उठा रहे हैं। साफ है कि मुस्लिम वोटों पर सपा पकड़ कमजोर नहीं होने देगी। लोकसभा चुनाव-2024 को नजर में रखकर सपा प्रमुख अखिलेश यादव पश्चिम यूपी में वन-टू-वन मुलाकातों का दौर शुरू करेंगे।

इसी को लेकर वह लंबे अंतराल के बाद पश्चिम यूपी पहुंचे,अखिलेश जहां सपा के बड़े नेता फारुख हसन पदयात्री के घर शादी में पहुंचे, वहीं बिजली का करंट लगने से छह लोगों को गंवाने वाले सैनी परिवार व कार दुर्घटना में पांच सदस्यों को खोने वाले यादव परिवार से मुलाकात कर भावनात्मक संबंध दर्शाया। यही नहीं गुर्जर समाज के बलिदानी सैनिक के स्वजनों से भी भेंट की थी। अखिलेश ने इस दौरे में जातीय त्रिभुज के बीच से चुनावी सर्किट खींचते हुए मुस्लिम एवं ओबीसी वोटों पर विशेष होमवर्क करने का संदेश दिया। एनडीए पर तंज से साफ करने की भी कोशिश हुई कि पीडीए यानी पिछड़ा, दलित एवं अल्पसंख्यक का त्रिभुज उन्हें चुनावी वैतरणी से पार लगाएगा। वहीं, शोकाकुल परिवारों को व्यक्ति गत सहायता और निजी मोबाइल नंबर देकर व्यक्तिगत लगाव का संदेश दिया। निजी नंबर देना एक अलग तरह का अपनापन है, जिसे मुख्यमंत्री रह चुके नेता शायदक भी दिखाते हों।

वन-टू-वन मुलाकात से लोगों से जुड़ने की कोशिश

इंटरनेट मीडिया पर बयानबाजी और एसी के कमरे में कैद रहने के शब्दबाणों से घिरे सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बड़ी कूटनीति से आक्षेप लगाने वालों को करारा जवाब दिया। अलग-अलग स्थानों पर विपक्षी दलों की बैठक में उसकी एकता को भाप कर नए बने गठबंधन इंडिया में शामिल हो गए। फिर ऐसी व्यक्तिगत मुलाकातों के लिए निकल पड़े हैं, जो भावनात्मक रूप से राजनीतिक समझदारी मानी जाती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सहजता और वंचितों से साष्टांग मिलने वाली प्रवृत्ति देख राहुल गांधी ने उसे अपनाने की कोशिश की है। राहुल कहीं भी सामान्य लोगों के बीच अचानक दिखाई दे जाते हैं। अब उसी तरह से उप्र में अखिलेश ने भी भावनात्मक भेंट में एंट्री कर ली है।

जम्मू-कश्मीर में जल्द करवाएं चुनाव : आजाद

» डीपीएपी सरकार बनने पर सीमावर्ती क्षेत्रों का होगा विकास

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी (डीपीएपी) के अध्यक्ष गुलाम नबी आजाद ने जम्मू-कश्मीर में तत्काल चुनाव की घोषणा करने की मांग की। उन्होंने कहा कि लोग निर्वाचित प्रतिनिधियों की कमी महसूस कर रहे हैं। तीन दिवसीय दौरे के पहले दिन एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि चुनाव जम्मू-कश्मीर की सभी समस्याओं के लिए रामबाण है। लोग बुनियादी समस्याओं के शीघ्र समाधान के लिए निर्वाचित प्रतिनिधियों की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

33 साल के आतंकवाद काल के दौरान गुरेज के लोगों की भूमिका की सराहना करते हुए आजाद ने कहा कि सीमावर्ती इलाकों में लोग शांति के लिए सुरक्षा बलों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। यहां आतंकवाद ने कभी पैर नहीं जमाए। आजाद ने कहा कि अपने कार्यकाल में उन्होंने कभी भी भेदभाव नहीं किया। जम्मू-कश्मीर को एक मॉडल राज्य के रूप में विकसित करने के लिए कड़ी मेहनत की। योजनाओं और आवंटन के मामले में सभी क्षेत्रों के साथ समान व्यवहार किया गया। अगर डीपीएपी को जम्मू-कश्मीर पर शासन करने के लिए चुना जाता है तो पार्टी सीमावर्ती इलाकों में विकास की क्रांति लाएगी।

यूपी में कांग्रेस प्रियंका गांधी को लड़ाएगी लोस चुनाव

» प्रदेश में फिर तैयारी में जुटेगी पार्टी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भारत जोड़ो यात्रा के बाद कर्नाटक में जीत व इंडिया गठबंधन के बनने के बाद कांग्रेस पूरे जोश में है। अब पार्टी का फोकस यूपी है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार शीर्ष नेतृत्व देश के सबसे बड़े सूबे में अपनी खाई हुई शाख फिर से पाना चाहजी है इसी बाबत वह अपनी स्टार प्रचारक प्रियंका गांधी उत्तर प्रदेश से लोकसभा के सियासी संग्राम में उतर सकती हैं। जबकि कांग्रेस की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी के रायबरेली से चुनाव लड़ने की संभावना अभी खत्म नहीं हुई है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी रायबरेली व अमेठी में पूरी तत्लीनता से जुट गई हैं।

गांधी परिवार के लिए अन्य संभावित सीटों पर भी गुणा- गणित शुरू हो गया है।

कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी पिछले चार लोकसभा चुनाव से रायबरेली से सांसद हैं। पिछले दिनों उनके सियासत से संन्यास लेने की चर्चा शुरू हो गई, लेकिन पार्टी के नेता इस चर्चा को एक सिरे से खारिज कर रहे हैं। क्योंकि विधानसभा चुनाव में भले ही रायबरेली के वोटर दूसरे दलों की ओर कदम बढ़ा दें, लेकिन लोकसभा में कांग्रेस के पूरी तत्परता दिखती है।

निजी सचिव को फंसाने की कोशिश : शिवपाल

» देर रात तक थाने में बैठाया, पुलिस ने की अभद्रता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। वाहन चेकिंग के दौरान गौतमपल्ली थाने की पुलिस से सपा नेता शिवपाल यादव के निजी सचिव अंकुश शर्मा का विवाद हो गया। उनको पकड़कर थाने लेकर गई। जानकारी होते शिवपाल यादव अपने समर्थकों सहित पहुंच गये। थाने के बाहर काफी देर तक हंगामा होता रहा। उन्होंने अंकुश को छुड़ाकर साथ ले गये। आरोप है कि पुलिस कार में असलहा रखकर फंसाने की कोशिश कर रही थी। निजी सचिव को थाने में बैठाने की जानकारी होते ही शिवपाल यादव अपने घर से निकले। कुछ ही देर में वह थाने पहुंच गये। उनके पीछे सैकड़ों समर्थक व कार्यकर्ता भी पहुंच गये। बाहर समर्थक सरकार विरोधी नारे लगा रहे थे। करीब दस मिनट बाद अंकुश को साथ लेकर शिवपाल यादव बाहर निकले।

इसके बाद पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के आवास पहुंचे। अंदर करीब 20 मिनट तक रहे। हालांकि पूर्व मुख्यमंत्री अपने आवास पर नहीं थे।

वहीं बाहर करीब चार से पांच सौ की संख्या में कार्यकर्ता पुलिस व सरकार के खिलाफ नारेबाजी हुई। पुलिस अधिकारियों ने आसपास के थानों की पुलिस बुला ली गई थी। रात करीब 10.30 बजे मामला शांत हो गया। वापस जाते समय शिवपाल यादव ने कहा कि पुलिस अंकुश की कार में असलहा रखकर फंसाना चाहती है। कल पार्टी कार्यालय में पुलिस की इस हरकत के संबंध में बैठक होगी।

> “पुलिस टीम वाहन चेकिंग कर रही थी। अंकुश ने कार नहीं रोकी। संदेह होने पर रेलवे क्रासिंग के पास से पकड़ा गया। उसे थाने लाया गया। कार के कागजात के संबंध में पूछताछ की गई। पुलिस सिर्फ अपना रूटीन काम कर रही थी।
>
> मनीषा सिंह
> एडीसीपी मध्य

लव जिहाद को महाभारत से जोड़ने पर घमासान

» कांग्रेस नेता भूपेन बोरा ने भगवान कृष्ण-रुक्मिणी के विवाह को बताया लव जिहाद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के तिहरे हत्याकांड को लव जिहाद से जोड़ने पर कांग्रेस नेता भूपेन बोरा ने भी पलटवार किया और इसके महाभारत से जोड़ दिया। भूपेन बोरा ने मीडिया से बात करते हुए कहा था, जब भगवान कृष्ण रुक्मिणी से विवाह करना चाहते थे, तब अर्जुन एक महिला के भेष में आए थे। महाभारत में भी लव जिहाद था।

बोरा ने आगे कहा, गांधारी भी लव-जिहाद की शिकार हुई थीं। धृतराष्ट्र ने गांधारी के साथ लव-जिहाद करके शादी की थी। तभी तो वह आंखों पर पट्टी बांधकर रखती थीं। हिमंत ने कांग्रेस प्रमुख की ओर इशारा करते हुए कहा, अगर कोई मामला दर्ज करता है, तो हमें उस व्यक्ति को गिरफ्तार करना होगा जिसने यह कहा है। अगर सनातन धर्म के हजारों लोग शिकायत दर्ज करेंगे, तो मैं उसे नहीं बचा सकता। बोरा के महाभारत संदर्भ पर पलटवार करते हुए हिमंत ने कहा कि भगवान कृष्ण ने कभी भी रुक्मिणी को अपना धर्म बदलने के लिए मजबूर नहीं किया। हिमंत ने कहा कि जब किसी लड़की की झूठी पहचान के बहाने शादी की जाती है और बाद में उसे अपना धर्म बदलने के लिए मजबूर किया जाता है, तो यह लव जिहाद है।

गिरफ्तार हो सकते हैं कांग्रेस प्रमुख

कांग्रेस नेता के बयान पर भड़के असम के सीएम हिमंत बिस्वा

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कांग्रेस की राज्य इकाई के प्रमुख भूपेन बोरा की महाभारत में भी लव जिहाद हुआ था। टिप्पणी को लेकर उन पर हमला बोला। बोरा के बयान की निंदा करते हुए हिमंत ने कहा कि यह टिप्पणी सनातन और हिंदू धर्म के खिलाफ है। हिमंत ने कहा भगवान कृष्ण और रुक्मिणी के विषय को घसीटना निंदनीय है। यह सनातन धर्म के विरुद्ध है। मैं कांग्रेस से अनुरोध करता हूं कि जिस तरह हम हजरत मुहम्मद या ईसा मसीह को किसी विवाद में नहीं घसीटते, उसी तरह हमें भगवान कृष्ण को भी किसी विवाद में घसीटने से बचना चाहिए। भगवान की तुलना आपराधिक गतिविधि से करना स्वीकार्य नहीं है।

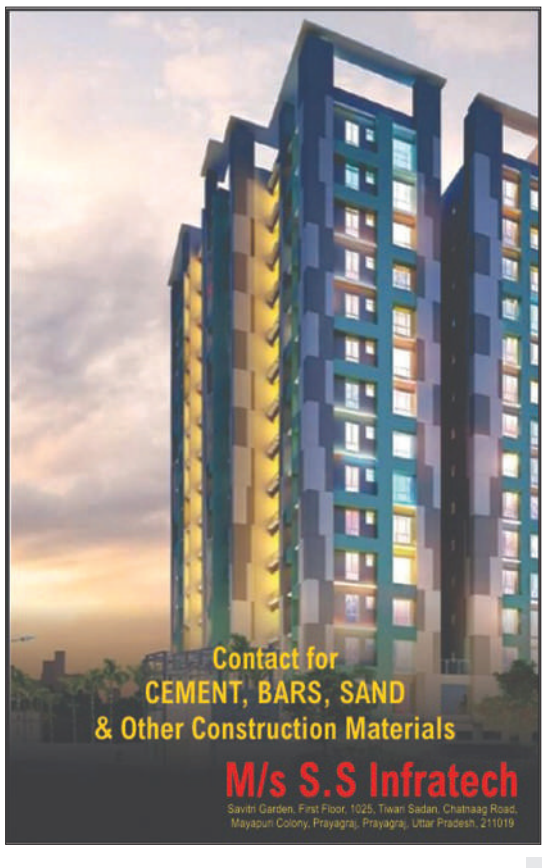

चुनावी गुणा-भाग में जुटे सियासी दल

» भाजपा ने बूथ स्तर पर शुरू की तैयारी
» कांग्रेस भी दमखम बढ़ाने में लगी
» अन्य दलों की ताकत में भी होगा इजाफा
» मायावती की पार्टी ने भी ठोंकी ताल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान में जैसे-जैसे विधानसभा चुनाव की दस्तक करीब आ रही है वहां पर सियासत भी परवान चढ़ने लगी है। प्रधानमंत्री मोदी से लेकर राहुल गांधी, व प्रियंका गांधी तक के दौरे वहां पर होने लगे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सीकर से एक सरकारी कार्यक्रम में वहां के सीएम गहलोत पर जमकर हमला बोला है। सीएम ने पीएम पर हमला बोलने में देरी नही लगाई। पीएमओ और गहलोत में ट्विटर वॉर शुरू हो गया। गहलता ने आरोप लगाया कि कार्यक्रम में उनके भाषण को हटा दिया है। हालांकि उनके आरोप पर पीएमओ ने जवाब दिया तो गहलोत ने एक और ट्वीट किया है। जिसमें उन्होंने पीएमओ को सही जानकारी नहीं होने की बात कही है।

प्रधानमंत्रीजी, आपके कार्यालय ने मेरे ट्वीट पर संज्ञान लिया, परन्तु संभवत: उन्हें भी तथ्यों से अवगत नहीं करवाया गया है। भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय से भेजे गए प्रस्तावित मिनट टू मिनट कार्यक्रम में मेरा संबोधन रखा गया था। कल रात को मुझे पुनः अवगत करवाया गया कि मेरा संबोधन नहीं होगा। मेरे कार्यालय ने भारत सरकार को अवगत करवाया था कि डॉक्टर्स की राय के अनुसार पैर में लगी चोट के कारण मैं वीडियो कॉफ्रेंसिंग से कार्यक्रम में शामिल रहूंगा और मेरे मंत्रिगण कार्यक्रम स्थल पर पहुंचेंगे। अभी भी मैं राजस्थान के हित के इस कार्यक्रम में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से नॉन इनटरेक्टिव मोड पर शामिल रहूंगा। आपके संज्ञान के लिए पूर्व में प्राप्त मिनट टू मिनट एवं मेरे कार्यालय से भेजा गया पत्र साझा कर रहा हूं। इस साल के आखिर में होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर बहुजन समाज पार्टी ने राजस्थान में ताल ठोका सबसे पहले 3 प्रत्याशियों के नामों का ऐलान किया। धौलपुर, नदबई और नगर विधानसभा सीट के लिए अपने प्रत्याशियों के नामों की सूची जारी की। साल 2018 में हुए विधानसभा चुनाव में बीएसपी को 6 सीटों पर जीत मिली थी। पिछले कुछ दिनों से बसपा सुप्रीमो मायावती लगातार अशोक गहलोत सरकार पर हमलावर हैं। बसपा वनावी रणनीति के राजस्थान के ग्रामीण क्षेत्रों में गांव-गांव और घर-घर जाने की तैयारी में है, बसपा दलित वोटर्स पर अपना पूरा फोकस भी कर रही है. उन सभी सीटों पर बसपा पूरा फोकस कर रही है जहां पर कांग्रेस न्यूनतम आय गारण्टी योजन का पूरा लाभ लेने की तैयारी में है। मायावती ने बीते दिनों गहलोत सरकार पर निशाना साधते हुए कहा था कि राजस्थान की कांग्रेस सरकार द्वारा विधानसभा चुनाव से ठीक पहले न्यूनतम आय गारण्टी योजना आदि की घोषणा करना यह जनहित का कम तथा इनके राजनीतिक स्वार्थ का फैसला ज्यादा. इससे गरीब जनता को तुरन्त राहत मिलना मुश्किल, फिर भी केवल प्रचार पर सरकारी धन का भारी खर्च करना क्या उचित? वैसे तो गहलोत सरकार अपने पूरे कार्यकाल कुंभकर्ण की नींद सोती रही और आपसी राजनीतिक उठापटक में ही उलझी रही, वरना जनहित व जनकल्याण से जुड़े अनेकों कार्य प्रदेश की जनता की गरीबी, बेरोजगारी, उनके पिछड़ेपन व तंगी के हालात के कारण सरकार द्वारा काफी पहले ही शुरू कर देना जरूरी था।

कांग्रेस की मप्र में आदिवासी वोटरों पर नजर

मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव को महज अब चंद माह शेष हैं। प्रदेश में सत्तासीन भाजपा जहां अपनी कुर्सी बचाए रखने के किए एड़ी-चोटी का जोर लगा रही हैं, वहीं कांग्रेस भी इस कोशिश में लगी हुई है कि लंबे वनवास के बाद उसकी प्रदेश की सत्ता पर वापसी हो। इसके लिए पार्टी के राष्ट्रीय स्तर के नेताओं की सभाएं प्रदेश मे कराई जा रही है। ताकि वोट बैंक को अपनी पार्टी के खाते मे डाला जा सके। इसी कड़ी में अब कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं महासचिव राहुल गांधी के शहडोल जिले के ब्योहारी में आगामी 8 अगस्त को संभावित सभा की तैयारियों में जिला कांग्रेस के पदाधिकारी जुट गए हैं। कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव व मध्य प्रदेश कांग्रेस के सह प्रभारी संजय कपूर, पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह राहुल भैय्या एवं शहडोल प्रभारी विजेंद्र मिश्रा के दिशा निर्देश पर काम भी शुरू कर दिया गया है। राहुल गांधी के आगमन से पूर्व जिला कांग्रेस भवन में बैठक आयोजित की गई। इसमें जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष सुभाष गुप्ता ने इशारों इशारों में यह कहा कि चुंकि एक लंबे समय से पार्टी प्रदेश में सत्ता से दूर है। इसलिए हम सबको स्वयं इस बात का प्रयास करना है कि हम अपने अपने वाहनों से गांधी की संभावित सभा में स्वयं पहुंचें एवं अपने साथियों को लेकर आएं। जिलाध्यक्ष गुप्ता ने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा के बाद माननीय राहुल गांधी जी का मध्यप्रदेश में यह प्रथम आगमन है एवं आगामी विधानसभा चुनाव के लिए मध्यप्रदेश में राहुल गांधी ने ब्योहारी को चुना इस बात से विंध्य के समस्त कांग्रेसजनों में उत्साह है।

बसपा की मध्य प्रदेश में 60 सीटों पर लड़ने की तैयारी

राजस्थान में बसपा 60 विधानसभा सीटों पर मजबूती के साथ चुनाव लड़ने की तैयारी में है। ये वो सीटें हैं जहां पर कांग्रेस का कभी गढ़ हुआ करता था। राजस्थान लगभग 39 सीटें अनुसूचित जाति और जनजाति के लिए सुरक्षित हैं,उन सभी सीटों पर बसपा का पूरा फोकस है, पिछले कई महीनों से बसपा के लोग वहां पर कार्यक्रम कर रहे हैं।

भाजपा टिकट वितरण में परिवारवाद नहीं करेगी

मध्य प्रदेश में इसी साल के अंत में विधानसभा चुनाव है। कई नेता अपने बेटे को टिकट दिलाने में लगे है। बुधवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के भाजपा की बड़ी बैठक लेने से पहले प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा कि इस बार टिकट वितरण में परिवारवाद नहीं चलेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने परिवारवाद का कालम ही खत्म कर दिया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा कि टिकट उसे मिलेगा, जो जीतने वाला होगा। भाजपा में यदि कोई सोच रहा है कि परिवार के आधार पर टिकट मिलेगा तो ऐसा नहीं चलेगा। उन्होंने कहा कि यह कांग्रेस में चलता है, लेकिन भाजपा नहीं चलता। शर्मा ने कांग्रेस की किसानों की न्याय योजना को लेकर कमलनाथ पर निशाना भी साधा। उन्होंने कहा कि कमलनाथ कमीशन नाथ के तौर पर पहचाने गए है। उनकी सरकार बनने पर राहुल गांधी ने कहा था कि 10 दिन में किसानों का कर्जा माफ नहीं हुआ तो मुख्यमंत्री को हटा दूंगा। ना किसानों का कर्जा माफ हुआ ना मुख्यमंत्री को हटाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में अजब यह है कि गजब तरीके से बार-बार झूठ बोलते है। वीडी शर्मा ने कहा कि कांग्रेस ने 2018 में जो वादे किए वो कौन से पूर किए। उन्होंने कमलनाथ और दिग्विजय सिंह को झूठ की मशीन कहा।

उत्तर प्रदेश में लोक सभा चुनाव की तैयारी

» भाजपा जुटी, विपक्ष, कांग्रेस-सपा ने भी शुरू किया अभियान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विपक्षी दलों को आगामी लोकसभा चुनाव समय से पहले कराए जाने की आहट मिल रही है। चुनाव आयोग की गतिविधियों और सत्ताधारी भाजपा की तैयारियों में तेजी को वे इसका संकेत मान रहे हैं। पश्चिमी बंगाल की सीएम ममता बनर्जी और बिहार के सीएम नीतीश कुमार सार्वजनिक रूप से यह संभावना जता चुके हैं। जबकि, सपा व कांग्रेस अंदरखाने इसके मद्देनजर ही अपनी तैयारियां कर रहे हैं।

भारत निर्वाचन आयोग ने उत्तर प्रदेश शासन को अप्रैल में एक पत्र भेजा कि इस साल अंत में होने वाले चार राज्यों के विधानसभा चुनावों के लिए 100 अधिकारियों की सूची दे दें। इसी के साथ नौकरशाही में समय पूर्व लोकसभा चुनाव की चर्चाएं चलने लगीं। इसके पीछे के तर्क हैं कि एक तो काफी पहले अधिकारियों की सूची मांग ली गई। दूसरे, इनकी संख्या भी पहले के मुकाबले ज्यादा है। यहां बता दें कि इस साल के अंत तक मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान और तेलंगाना में विधानसभा चुनाव कराए जाने हैं।इसके बाद 26 मई को भारत निर्वाचन आयोग के एक पत्र के तहत 6 जून से 16 जून के बीच उत्तर प्रदेश में अधिकारियों को मास्टर ट्रेनर के रूप में ट्रेनिंग दी गई। विपक्षी दलों के नेतृत्व ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के भी निहितार्थ निकाले।

उप्र में जातीय समीकरण पर रहेगा जोर

भाजपा ने मिशन 2024 को लेकर यूपी में जातीय समीकरण को दुरुस्त रखने के लिए दारा सिंह और ओमप्रकाश के बाद, छोटी छोटी जातियों में जनाधार रखने वाले नेताओं को शामिल कराना शुरू कर दिया है। पश्चिम से पूर्व मंत्री साहब सिंह सैनी और मुजफ्फरनगर के पूर्व सांसद व रालोद नेता राजपाल सैनी के भाजपा में आने से दोनों मंडलों में सैनी बिरादरी पर पार्टी की पक? मजबूत होगी। पूर्व विधायक गुलाब सोनकर को अपने साथ जो?कर भाजपा ने पूर्वांचल में दलित समुदाय और कुर्मी बिरादरी को ब?ा मैसेज दिया है। भाजपा 2024 के अपनी नई रणनीति के साथ मैदान में आयेगी। इस बार वह जातीय गोलबंदी के साथ क्षेत्र में जनाधार वाले नेताओं पर फोकस कर रही है। भाजपा को उम्मीद है कि इससे यूपी की सभी 80 लोकसभा सीटों पर जीत के दावे पर मोहर लग सकती है।

राज्यों में चुनावी हार से डर रही है भाजपा : उदयवीर

सपा नेता उदयवीर सिंह कहते हैं कि इस साल के अंत में चार राज्यों के चुनाव में भाजपा को अपनी स्थिति ठीक नहीं लग रही है। वहां इंडिया के घटक दल काफी मजबूत हैं। इसलिए भाजपा चार राज्यों को हारकर लोकसभा चुनाव में नहीं जाना चाहती और इससे डरकर राज्यों के साथ ही लोकसभा चुनाव कराने की योजना बना रही है।

सब ध्यान में रखकर आगे बढ़ रहे आगे : प्रमोद तिवारी

राज्यसभा में कांग्रेस के उप नेता प्रमोद तिवारी कहते हैं कि परिस्थितियां बता रही हैं कि भाजपा समय पूर्व लोकसभा चुनाव करा सकती है। इस बात को ध्यान में रखकर ही हम आगे बढ़ रहे हैं।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

देर से ही सही पर दुरुस्त फैसला

देर से ही सही पर सरकार ने दुरुस्त फैसला किया है। देश कई बड़े संस्थान व कई दिग्गज चिकित्सक इस बात का पता लगाने की कोशिश करेंगे कि आखिर इन मौतों के पीछे की वजह क्या है। कोविड के बाद अचानक हार्ट अटैक से हो रही मौतों की वास्तविक वजह क्या कोरोना ही है या कोई और खास कारण। इसको लेकर देश के अलग-अलग राज्यों के 70 प्रमुख चिकित्सा संस्थानों में शोध शुरू हो गया है।

देश में पिछले दो सालों में कम उम्र के लोगों का हार्टअटैक से मौतों की संख्या में बढ़ोत्तरी के बाद केंद्र सरकार की आंखे खुली है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने अचानक हो रहे इन मौतों की जांच के लिए शोध करवाने का निर्णय लिया है। देर से ही सही पर सरकार ने दुरुस्त फैसला किया है। देश कई बड़े संस्थान व कई दिग्गज चिकित्सक इस बात का पता लगाने की कोशिश करेंगे कि आखिर इन मौतों के पीछे की वजह क्या है। कोविड के बाद अचानक हार्ट अटैक से हो रही मौतों की वास्तविक वजह क्या कोरोना ही है या कोई और खास कारण। इसको लेकर देश के अलग-अलग राज्यों के 70 प्रमुख चिकित्सा संस्थानों में शोध शुरू हो गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से आईसीएमआर को अचानक होने वाली मौत के कारणों की वजह जानने के लिए यह शोध करने के निर्देश दिए गए हैं।

जानकारी के मुताबिक इन अस्पतालों में तकरीबन 300 से ज्यादा प्रमुख विशेषज्ञ यह पड़ताल करने में जुटे हैं कि क्या कोविड की वजह से शरीर में कुछ ऐसे परिवर्तन हुए, जिसके चलते अचानक हार्ट अटैक की खबरें और वीडियो सामने आने लगे। आईसीएमआर से जुड़े चिकित्सकों के मुताबिक कुछ महीनों में शोध की रिपोर्ट सामने आएगी, जिसे केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय को सौंपा जाएगा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने देश में अचानक सामने आ रही लोगों की हार्ट अटैक से होने वाली मौत पर सघन शोध करने के लिए आईसीएमआर को जिम्मेदारी दी है। इस शोध में 18 से 45 साल की उम्र के लोगों की हुई अचानक मौत के कारणों का पता लगाया जा रहा है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक देश के 40 प्रमुख मेडिकल रिसर्च इंस्टिट्यूट में तकरीबन 300 से ज्यादा विशेषज्ञ इस तरह से होने वाली मौत के कारणों का पता लगाने के लिए मल्टी सेंट्रिक अध्ययन शुरू कर चुके हैं। इसी तरह दूसरे शोध में पिछले साल 18 से 45 साल की उम्र के बीच में हुई मौतों के लिए कोविड वैक्सीन के प्रभाव को समझने के लिए भी स्टडी चल रही है। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक यह स्टडी देश के 30 अलग-अलग कोविड-19 कोविड रजिस्ट्री हॉस्पिटल्स में चल रही है। इस शोध में शामिल आईसीएमआर के विशेषज्ञों का कहना है कि अचानक हो रही मौत के कारणों को जानने के लिए तीन तरह से शोध देश के अलग-अलग प्रमुख चिकित्सा संस्थानों और कोविड रजिस्ट्री हॉस्पिटल्स में चल रही है। शोध से जुड़े विशेषज्ञों का कहना है कि इस दौरान प्रमुख चिकित्सा संस्थानों में वर्चुअल और फिजिकल डेड बॉडीज के माध्यम से युवाओं में अचानक होने वाली मौत के कारणों को जानने के लिए भी एक अलग अध्ययन चल रहा है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

क्या दोधारी तलवार है गिग अर्थव्यवस्था

अभिषेक कुमार सिंह

भारत में गिग इकोनॉमी की एक बार फिर चर्चा है। हाल में इसकी चर्चा जी-20 देशों के श्रम और रोजगार मंत्रियों की मध्य प्रदेश स्थित इंदौर में एक बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संदेश के माध्यम से हुई है। जिसमें मोदी ने दावा किया कि गिग अर्थव्यवस्था और गिग प्लेटफार्म में युवाओं के लिए रोजगार पैदा करने की अभूतपूर्व क्षमता है। जी-20 की इस बैठक में गिग श्रेणी के कर्मचारियों को पर्याप्त और टिकाऊ सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ उचित रोजगार देने पर जोर दिया गया है। इस तरह यह देश में पहला मौका बना, जब गिग कर्मचारियों के रोजगार हितों की तरफ सरकार का ध्यान जाता दिखा है। गिग अर्थव्यवस्था की ओर उल्लेखनीय ध्यान कोविड -19 महामारी के दौर में गया, जब इस अर्थव्यवस्था से जुड़े कर्मचारियों ने थमी हुई दुनिया को चलाए रखने का जिम्मा उठाया।

असल में स्वतंत्र रूप से अस्थायी कार्य और ऑनलाइन मंचों पर काम करने वाले लोगों को 'गिग प्लेटफॉर्म' कर्मचारी कहा जाता है। पहले से मौजूद फ्रीलांसिंग पेशों के इतर गिग कर्मचारियों वाली रोजगार की यह अपेक्षाकृत एक नई व्यवस्था है जो पिछले एक दशक के दौरान तेजी के साथ उभरी है। असल में दुनियाभर के नियोक्ता एक नए बिजनेस मॉडल पर काम कर रहे हैं, जिसे ऐप आधारित कैब सेवा- उबर ने लोकप्रिय बनाया है। इस तरह कार्यबल का 'उबराइजेशन' एक नया सूत्रवाक्य है। भारत में इससे संबंधित सरकारी आंकड़े देखें तो देश के 'ई-श्रम पोर्टल' पर एक साल में 28 करोड़ 62 लाख गिगकर्मियों ने पंजीकरण कराया है। ऐसे में साल 2024 तक भारत के कुल कार्यबल का तकरीबन चार फीसदी हिस्सा 'गिग सेक्टर' में बदल जाने वाला है। सवाल है कि कार्यबल में हो रहे इस तेज बदलाव को क्या सकारात्मक माना जाए या नुकसानदायक। यदि गिग अर्थव्यवस्था के फायदों की बात की जाए, तो इसका एक आकलन सामने आ चुका है। वर्ष 2017 में अंग्रेजी के एक दैनिक अखबार ने अपने विश्लेषण में लिखा था कि गिग वर्किंग बढ़ने के कारण इसकी बहुत अधिक संभावना है कि 10 साल बाद आप घर बैठकर ही ऑफिस का काम करेंगे, अपनी पसंद मुताबिक समय में। लेकिन यह बदलाव अनुमान के मुकाबले ज्यादा तेजी से हुआ। इसकी वजह महामारी कोविड-19 है, जिससे लॉकडाउन के हालात

बन गए। ऐसे में गिग कामकाज का वह नजारा वक्त से पहले दिख गया और कंपनियां और नौकरीपेशा या कारोबारी तक घर से कामकाज को प्राथमिकता देने लगे। ऐसा ही एक और आंकड़ा है। वित्तीय सेवा देने वाले प्लेटफार्म 'स्ट्राइडवन' ने साल 2023 में जारी रिपोर्ट में बताया है कि भारत में संविदा, फ्रीलांस और अंशकालिक सेवाओं वाले बाजार में 2020-21 में 80 लाख लोग कार्यरत थे यानी कुल कार्यबल का डेढ़ फीसदी। पर 2024 तक 2.35 करोड़ कर्मचारियों को गिग इकोनॉमी से जुड़े कामकाज मिलने की सूरत में यह प्रतिशत बढ़कर 4 तक पहुंच सकता है। गिग इकॉनमी वाले सिस्टम में टैलंट (प्रतिभाएं) डिमांड और सप्लाई के आधार पर काम करता है। रिपोर्ट के मुताबिक देश में ज्यादा से ज्यादा लोगों के पास स्मार्टफोन होने, सस्ता डेटा और इंटरनेट-आधारित सेवाओं के लिए बढ़ती भूख के साथ, ऑनलाइन रिटेल की पैठ के वर्ष 2019 के 5 प्रतिशत से बढ़कर 2024 तक 11 फसदी हो जाने की उम्मीद है। संस्था-टीमलीज सर्वे के मुताबिक, भारत में सबसे अधिक गिग वर्कर हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में रखे जा रहे हैं। इसके बाद एजुकेशनल सर्विसेज और मीडिया-एंटरटेनमेंट का नंबर है। सूची में पांचवां स्थान ई-कॉमर्स और स्टार्टअप्स का है। कंपनियां लागत में कमी के लिए भी गिग वर्कर्स को चुन रही हैं। माना जा रहा है कि इनमें सबसे ज्यादा असर देश के आईटी सेक्टर में होगा। इसका एक कारण वैश्विक बाजार की अनिश्चितता है। इसमें हॉस्पिटैलिटी और आईटी कंपनियां 'कार्यबल के उबराइजेशन' के साथ ऐसी संभावनाएं तलाश रही हैं, जिसमें स्थायी और अस्थायी कर्मियों का मिश्रण हो। आईटी कंपनियों में नियुक्त मानव संसाधन अधिकारी मानते हैं कि जिस तरह के काम अब कंपनियों के पास आ रहे हैं, उन्हें स्थायी कर्मचारियों के आधार पर तुरंत पूरा करना संभव नहीं। नियोक्ता ऐसे काम रेगुलर की बजाय ऑन-डिमांड उपलब्ध पेशेवरों को सौंपने लगे हैं। बेशक तेज इंटरनेट और तकनीकी सुविधाओं के कारण घर से काम करना आसान हो गया। वहीं आजकल युवा दफ्तर आने-जाने में लगने वाले समय और मौसम व ट्रैफिक जाम जैसी समस्याओं से बचने और वर्क-लाइफ बैलेंस के चलते गिग कामकाज को प्राथमिकता देने लगे हैं।

अधिकार के हकदार कामवाली और कामगार

सोनम लववंशी

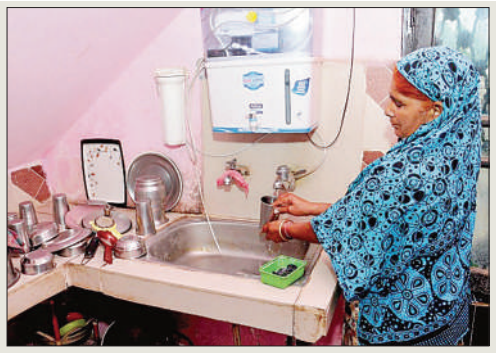

अभी हाल ही में दिल्ली के एक संभ्रांत परिवार द्वारा अपनी घरेलू सहायिका को मारने-पीटने का मामला सामने आया है। इससे पहले भी गुरुग्राम के एक रिहायशी कस्बे में मालिक द्वारा अपनी घरेलू सहायिका का यौन-शोषण का मामला सामने आया था। ये कोई पहली या आखिरी घटना नहीं है। जब घरों में काम करने वाले नौकरों पर अत्याचार हुआ हो। बल्कि देशभर में ऐसे कई नौकर हैं, जिन पर पाशविक अत्याचार होता है, पर वे बोल नहीं पाते! क्योंकि, उनके हक में कोई बोलने वाला ख़ा नहीं होता! बीते दिनों झारखंड में भी एक हृदय विदारक घटना सामने आई थी। जिसमें एक राजनीतिक दल की नेत्री और पूर्व आईएएस की पत्नी पर अपनी घरेलू नौकरानी के साथ पाशविक अत्याचार करने का आरोप लगा था। ऐसे में भले ही हम विकास की नई गौरवगाथा लिख रहे हैं। लोकतांत्रिक रूप से सशक्त राष्ट्र बना रहे, लेकिन दुर्भाग्य है कि घरेलू कामगारों की दिशा और दशा आजादी के दशकों बाद भी नहीं बदली है। एक तरफ हम वैश्विक परिदृश्य पर नया मुकाम स्थापित कर रहे हैं तो दूसरी तरफ हमारा समाज संवेदनहीन होता जा रहा है। निचले तबके के लोगों के प्रति समाज के उच्च वर्ग कहे जाने वाले लोगों का नजरिया बेहद तंग है।

आखिर पढ़े-लिखे और खुद को सभ्य कहने वाले समाज के लोगों की इतनी छोटी मानसिकता भले कैसे हो सकती है। जो वे अपने ही घरों में काम करने वाले नौकरों पर अत्याचार करे। आखिर यह कैसी सभ्यता है कि एक दलित-पिछड़े व्यक्ति को परेशान करने में उच्च वर्ग के लोगों को संतोष मिलता है! पहली बात तो यह है कि कामगार बनने के लिए कोई व्यक्ति हंसी-खुशी तैयार नहीं होता, लेकिन रहनुमाई नीतियों की विसंगतियों की वजह से जो लोग पिछड़ जाते हैं। उन्हें अपना पेट भरने के लिए ऐसा काम चुनना पड़ता है, लेकिन अगर काम के बदले उचित मेहनताना नहीं मिलता तो यह एक दु:खद त्रासदी तो है ही, ऊपर से अत्याचार की इंतिहा अलग!

घरेलू कामगारों की सुध लेने को कोई तैयार नहीं! सोचिए क्या एक गरीब व्यक्ति का मान-सम्मान नहीं होता! स्वाभाविक बात है, कि गरिमा के साथ जीवन जीने की स्वतंत्रता हर व्यक्ति को संविधान देता है, लेकिन काम के एवज में चंद पैसे देने वाले बड़े घरों के लोग छोटे लोगों को नीचा दिखाने और उनके साथ बदसलूकी करने में तनिक देर नहीं लगाते, जबकि उन्हें पता होता है कि उनके घर की सुरक्षा से लेकर साफ-सफाई सभी यही कामगार करते हैं। फिर भी उनकी इज्जत नहीं की जाती है। कहने को तो सरकार ने घरेलू कामगारों की सुरक्षा के लिए कानूनी प्रावधान कर रखे हैं, बावजूद इसके घरेलू नौकरों व उनके रिश्तेदारों को अपने मालिकों के हाथों तरह-तरह के उत्पीड़न और अत्याचारों का शिकार होना पड़ता है। देखा जाए तो यह सामंती मानसिकता का परिचायक है। वहीं आजकल बड़े घरों में नौकर रखने का चलन बढ़ रहा है। बिना किसी सुविधा के कम वेतन पर काम कराया जाता है। यहां तक कि कई बार तो बंधुआ मजदूर तक बना कर रखा जाता है।

घरेलू काम को आज भी अन्य कामों की तरह नहीं समझा जाता। समाज में भी उनके काम की कोई इज्जत नहीं की जाती, जबकि इस काम के आढ़ में सबसे ज्यादा शोषण महिला कामगारों का होता है। उनका आर्थिक और शारीरिक दोनों तरह से शोषण किया जाता है। ऐसे में भले ही सरकार ने घरेलू कामगार महिलाओं के अधिकारों के लिए 1959 में ही डोमेस्टिक वर्कर्स (कंडीशन ऑफ एम्प्लायमेंट) अधिनियम बनाया पर इसे व्यवहार में आज तक लागू नहीं किया गया। इतना ही नहीं, कहने को तो सरकार ने घरेलू कामगारों को सामाजिक व कानूनी रूप से सहायता देने के लिए भी कई नियम बनाए। पर धरातल पर कहीं कोई परिवर्तन नहीं देखने को मिलता है। आज भी समाज में घरेलू कामगारों की दयनीय स्थिति बनी हुई है। जबकि, सच यह है कि अगर एक भी दिन ये कामगार घरों में काम करना बंद कर दें, तो बड़े-बड़े घरों और महलों में रहने वालों की आदत आ जाए। इन बड़े घरों के बच्चे न तो समय से स्कूल पहुंचेंगे और न नौकरी-पेशे वाले लोग काम पर। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन ने 16 जून, 2011 को घरेलू कामगार सम्मेलन में घरेलू नौकरों के अधिकारों की घोषणा की थी। इसे घरेलू 'कामगार कन्वेंशन' के नाम से भी जाना जाता है। वहीं आज देश में मात्र 7 राज्य ही ऐसे हैं जहां घरेलू कामगारों के लिए न्यूनतम मजदूरी दर तय की गई है। आखिर घरेलू कामगारों को भी सम्मान से जीने का अधिकार है। फिर इससे उन्हें वंचित क्यों रखा जा रहा और आखिर क्या कारण है कि एक बड़े तबके को लेकर सरकारें भी खामोश हैं? वैसे जब भी हमारे सभ्य समाज में नौकरों पर ज्यादती की कोई घटना घटित होती है तो उचित न्याय की बात की जाती है, लेकिन फिर वही ढाक के तीन पात वाली स्थिति देखने को मिलती है।

देश में कुल कामगारों की संख्या पर विचार करें तो यह आंकड़ा करोड़ों में होगा। जिनमें अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन के आंकड़ों के मुताबिक लगभग 6 करोड़ महिलाएं शामिल हैं। सोचिए जिस काम से तकरीबन 6 करोड़ महिलाएं जुड़ी हुई हों और वह वंचित तबके से आती हैं, उनके साथ कुलीन वर्ग के लोग कैसा व्यवहार करते होंगे। कहते हैं कि मानव सेवा ही माधव सेवा है। ऐसे में सेवा करते नहीं बनता तो कोई बात नहीं, लेकिन जो दूसरों के घर का सहारा बनते हैं, उनकी इज्जत और मान-सम्मान से खिलवाड़ नहीं होना चाहिए। उनके काम के एवज में न्यायसंगत मेहनताना मिलना चाहिए।

मानसून रहें सावधान

इन बीमारियों का ज्यादा खतरा

मई-जून के महीने में भीषण गर्मी के बाद मानसून का समय राहत वाला तो होता है पर अपने साथ कई तरह की बीमारियां भी लेकर आता है। बरसात के साथ कई प्रकार की संक्रामक बीमारियां बढ़ने लगती हैं, मच्छर जनित रोगों के कारण हर साल हजारों लोगों की मौत हो जाती है। यही कारण है कि सभी लोगों को इस मौसम में सेहत को लेकर विशेष सावधानियां बरतनी चाहिए। मानसून के समय में कई कारणों से हमारा इम्यून सिस्टम भी कमजोर हो जाता है, जिसके कारण संक्रामक बीमारियों का खतरा अधिक हो सकता है। विशेषकर बच्चों और अधिक उम्र के लोगों के लिए यह मौसम काफी चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

कालरा हो सकता है जानलेवा

कालरा, दूषित पानी के कारण होने वाला संक्रमण है जिसे जानलेवा दुष्प्रभावों वाला भी माना जाता है। यह आंतों में होने वाला संक्रमण है, बैक्टीरिया से दूषित जल-भोजन के कारण कालरा हो सकता है जिसमें बार-बार दस्त आने और डिहाइड्रेशन की समस्या होती है। यह बच्चों में मृत्यु का प्रमुख जोखिम कारक माना जाता रहा है। कालरा किसी को भी हो सकता है, इससे बचाव के लिए साफ-उबालकर पानी पीने और भोजन की स्वच्छता पर विशेष ध्यान देते रहने की सलाह दी जाती है।

फ्लू (सर्दी और बुखार)

बरसात के मौसम में तापमान में भारी उतार-चढ़ाव, शरीर को बैक्टीरिया या वायरल संक्रमण के प्रति संवेदनशील बनाता है, जिसके परिणामस्वरूप सर्दी और फ्लू हो सकता है। किसी भी मौसम में बदलाव के साथ फ्लू होना बहुत सामान्य है। जिन लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है उनमें संक्रामक रोगों का खतरा अधिक हो सकता है। फ्लू से बचाव के लिए साफ-सफाई का ध्यान रखना और इम्युनिटी बढ़ाने वाली चीजों का सेवन करना फायदेमंद माना जाता है।

टाइफाइड

टाइफाइड बुखार दूषित भोजन और पानी के कारण होता है, जोकि मानसून में काफी सामान्य है। यह साल्मोनेला टाइफी नामक बैक्टीरिया से होने वाला संक्रमण है। टाइफाइड में तेज बुखार के साथ पाचन स्वास्थ्य की समस्याएं हो सकती है जिसमें उचित स्वच्छता और साफ-सफाई बनाए रखने और साथ ही साफ पानी पीने की सलाह दी जाती है। बच्चों में यह समस्या अधिक देखी जाती रही है।

मच्छर जनित रोग

मानसून के मौसम में कई प्रकार की मच्छर जनित बीमारियों का खतरा भी काफी बढ़ जाता है- मलेरिया, डेंगू और चिकनगुनिया उनमें से एक हैं। बारिश में पानी जमा होने से मच्छरों के प्रजनन के लिए अनुकूल माहौल मिल जाता है, जिसके कारण इन रोगों का खतरा रहता है। जल जमाव वाले क्षेत्रों को साफ रखकर मलेरिया के प्रसार को रोका जा सकता है। इसी प्रकार डेंगू बुखार भी बहुत खतरनाक और जानलेवा हो सकती है।

हंसना मना है

खिड़की पर खड़े आदमी से कैशियर ने कहा- पैसे नहीं है, ग्राहक : और दो मोदी माल्या को पैसा, सारे पैसे लेकर भाग गए विदेश में, कैशियर ने खिड़की में से हाथ निकाला और उसकी गर्दन दबोच कर कहा साले बैंक में तो है तेरे खाते में नहीं है भिखारी।

एक लड़की ने पिज्जा शॉप में जा कर पिज्जा आर्डर किया। वेटर: मैडम, इसके 4 पीस करूं या 8 पीस? लड़की बोली : 4 पीस ही कर दो। 8 खाऊंगी तो मोटी हो जाऊंगी।

ग्राहक: बेटा तेरे पापा की तो रसगुल्ले की दुकान है, तेरा खाने का मन नहीं करता? बच्चा : बहुत मन करता है अंकल लेकिन पापा गिन कर रखते हैं इसलिए बस चूस के वापिस रख देता हूं। ग्राहक बेहोश..

लड़का एक लड़की के साथ घर आया। मां: कौन है यह? लड़का: यह मेरी धर्म-पत्नी है। मां: कब से चल रहा था तुम दोनों के बीच ये सब? लड़का: पता नहीं यह तो पार्क में मेरे बगल में बैठ किसी का इंतज़ार कर रही थी। बजरंग दल वालों ने हमारी शादी करवा दी।

कहानी | बाज की उड़ान

एक बार की बात है कि एक बाज का अंडा मुर्गी के अण्डों के बीच आ गया। कुछ दिनों बाद उन अण्डों में से चूजे निकले, बाज का बच्चा भी उनमे से एक था। वो उन्हीं के बीच बड़ा होने लगा। वो वही करता जो बाकी चूजे करते, मिट्टी में इधर-उधर खेलता, दाना चुगता और दिन भर उन्हीं की तरह चूं-चूं करता। बाकी चूजों की तरह वो भी बस थोडा सा ही ऊपर उड़ पाता और पंख फड़-फडाते हुए नीचे आ जाता। फिर एक दिन उसने एक बाज को खुले आकाश में उड़ते हुए देखा, बाज बड़े शान से और बेधड़क होकर आसमान में उड़ रहा था। तब उस बाज के चूजे ने बाकी के चूजों से पूछा, कि-इतनी ऊंचाई पर उड़ने वाला यह शानदार पक्षी कौन है? तब चूजों ने कहा- अरे वो तो बाज है, पक्षियों का राजा, वो बहुत ही ताकतवर और विशाल है, लेकिन तुम उसकी तरह नहीं उड़ सकते क्योंकि तुम तो एक चूजे हो! बाज के बच्चे ने इसे सच मान लिया और कभी वैसा बनने की कोशिश नहीं की। और न ही उड़ने की कोशिश की। वो जिन्दगी भर चूजों की तरह रहा, और एक दिन बिना अपनी असली ताकत पहचाने ही मर गया।

कहानी से सीख-इस कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि आप चूजों की तरह मत बनिए, अपने आप पर अपनी काबिलियत पर भरोसा कीजिए। आप चाहे जहां हों, जिस परिवेश में हों, अपनी क्षमताओं को पहचानिए और आकाश की ऊंचाइयों पर उड़ कर दिखाइए क्योंकि यही आपकी वास्तविकता है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष आज आपका आर्थिक पक्ष अच्छा होगा। भगवान के प्रति विश्वास बढ़ेगा। वैचारिक मतभेद दूर होने के साथ ही आज किसी को अपने मन की बात बताने का मौका मिलेगा।

वृषभ यदि आज आपको स्वास्थ्य में कोई शारीरिक कष्ट परेशान कर रहा है, तो आपको उसे दूर करने के लिए तुरंत डॉक्टरी परामर्श लेना चाहिए, नहीं तो वह रोग बड़ा हो सकता है।

मिथुन आपका दिन नॉर्मल रहेगा। आपको कार्यक्षेत्र में पहले से ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। आप हर स्थिति में अपना भावनात्मक संतुलन बनाने की कोशिश करेंगे।

कर्क आज आपकी यात्रा आरामदेह रहेगी। आपको नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति होगी। पारिवारिक लोगों से संबंध मधुर होंगे। आमदनी बढ़ने के आसार हैं। आप धैर्य रखें।

सिंह आज यदि आप किसी डील को फाइनल करने जा रहे थे, तो वह पूरी ना होने के कारण आपको निराशा हाथ लग सकती है, जिसके कारण आपको तनाव होगा।

कन्या आपका दिन उम्मीद से ज्यादा अच्छा रहने वाला है। जिस भी काम में हाथ डालेंगे वहां सफलता ही कदम चूमेगी। जॉब के लिये नयी संभावनाओं की तलाश पूरी होगी।

तुला आज आपको कामकाज में धनलाभ होगा। मांगलिक कार्यक्रम में शामिल हो सकते है। नौकरी में भी उच्चाधिकारियों का सहयोग मिलेगा।

वृश्चिक राजनीति से जुड़े जातकों को आज कुछ वैचारिक मतभेदों का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन उसके बाद भी उन्हें अपने कार्यों में सफलता मिलेगी।

धनु आपका दिन अच्छा रहने वाला है। समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। आप किसी सामाजिक कार्य का हिस्सा भी बन सकते हैं। प्रेम जीवन के लिए दिनमान सामान्य रहेगा।

मकर मकर राशि वाले आज जल्दबाजी में कोई काम न करें। वैवाहिक योग बनेंगे। आज सांसारिक सुख भोग के साधनों पर शुभ व्यय होने से मन में हर्ष होगा।

कुम्भ आज का दिन आपके लिए कुछ उथल-पुथल भरा रहेगा। आज आपकी व्यवस्था व योजना को किसी शत्रु के कारण देरी से लागू करेंगे जिसका आपको लाभ कम मिलेगा।

मीन आपका दिन ठीक-ठाक बना रहेगा। खुद को आर्थिक रुप से मजबूत बनाने की योजनाओं में सफल रहेंगे। पिता के स्वास्थ्य में सुधार नजर आयेगा।

फिर तारा सिंह ने पाकिस्तान में मचाई गदर

बॉलीवुड | मसाला

सनी देओल और अमीषा पटेल एक बार फिर से तारा सिंह और सकीना के रूप में दर्शकों के दिलों में राज करने के लिए तैयार हो गए हैं। इनकी मोस्ट अवेटेड फिल्म गदर-2 का जबरदस्त ट्रेलर आखिरकार लंबे इंतजार के बाद रिलीज कर दिया गया है। ट्रेलर देखकर ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि इस बार धमाका भी दोगुना देखने को मिलने वाला है। एक बार फिर से सनी देओल तारा सिंह के रूप में पाकिस्तान पहुंच गदर मचा रहे हैं।

ट्रेलर की शुरुआत में देखा जा रहा है कि तारा सिंह, पत्नी सकीना और बेटे जीते के साथ एक खुशहाल जिंदगी बिता रहे हैं। तारा का बेटा बड़ा होकर फौज में रहकर देश की सेवा कर रहा है, लेकिन कुछ ऐसा होता है कि वह पाकिस्तान पहुंच जाता है और दुश्मनों के हाथ लग जाता है। वहीं, पाकिस्तानी तारा सिंह से अपना पिछला बदला लेने के लिए उसके बेटे से दुश्मनी निकालने लगते हैं।

ट्रेलर में आगे देखा जा सकता है कि तारा सिंह भी बेटे को बचाने के लिए पाकिस्तान पहुंच जाता है। इसके बाद फिर शुरू होता है गदर। इस बार तारा सिंह हैंडपंप नहीं, बल्कि हथौड़ा चलाते नजर आ रहे हैं। बेटे को अपने वतन वापस ले जाने के लिए तारा सिंह पूरे पाकिस्तान से भिड़ गया है। बता दें कि फिल्म में 1970 में हुए भारत-पाकिस्तान के युद्ध की झलक दिखाई जाएगी। इसी दौरान जीते पाकिस्तान में फंस जाता है।

11 अगस्त को रिलीज होगी गदर- 2

अनिल शर्मा के निर्देशन में बनी गदर -2 में एक बार फिर से उत्कर्ष शर्मा को ही तारा और सकीना के बेटे जीते के रोल में देखा जा रहा है। यह फिल्म 11 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए बिल्कुल तैया है। इसी दिन अक्षय कुमार ओएमजी-2 भी सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। माना जा रहा है कि इस बड़े क्लैश का असर दोनों ही फिल्मों के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन पर देखने को मिल सकता है।

2001 में भी पाकिस्तान में मचाया था गदर

गौरतलब है कि गदर 2 2001 में आई फिल्म गदर का सीक्वल है। पिछली फिल्म में दिखाया गया था कि सकीना पाकिस्तान में अपने पिता से मिलने जाती है और वहीं, फंसकर रह जाती है। इसके बाद तारा सिंह पाकिस्तान में जाकर सकीना को वापस अपने घर लेकर आता है।

फिर यामी गौतम सिल्वर स्क्रीन पर दिखाएंगी जलवा

यामी गौतम जल्द ही फिल्म ओएमजी 2 से दर्शकों का मनोरंजन करने वाली हैं। फिल्म में वह वकील की भूमिका को लेकर सुर्खियों में हैं, जिसमें उनके साथ अक्षय कुमार और पंकज त्रिपाठी भी दिखाई देने वाले हैं। वहीं इस फिल्म के बाद यामी अपने फिल्ममेकर पति आदित्य धर के साथ एक और फिल्म में काम शुरू करने जा रही हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यामी गौतम जल्द ही फिल्म धूमधाम में दिखाई देंगी। इस फिल्म को उनके पति और फिल्ममेकर आदित्य धर प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिल्म धूमधाम को ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो सिनेमा पर स्ट्रीम की जाएगी। यह पहली बार नहीं है जब यामी और आदित्य साथ काम करने जा रहे हों। वे पहले उरी द सर्जिकल स्ट्राइक में साथ काम कर चुके हैं। धूमधाम को लेकर कई अपडेट सामने आए हैं। फिल्म की शूटिंग इसी साल सितंबर में शुरूहो जाएगी। फिल्म के ज्यादातर सीन कश्मीर और दिल्ली में शूट किए जाएंगे। रिपोर्ट के अनुसार, यामी को स्क्रिप्ट अच्छी लगी है, और यह फिल्म सच्ची घटनाओं से प्रेरित राजनीतिक थ्रिलर हो सकती हैं। मूवी की कहानी असाधारण परिस्थितियों का सामना करने वाली एक महिला के इर्द-गिर्द बुनी गई है।

आदित्य धर होंगे प्रोड्यूसर

आदित्य धर फिल्म का निर्माण अपने बैनर बी-62 स्टूडियोज के तहत करेंगे। वहीं गोवा के दो बार के राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म निर्माता आदित्य सुहास जंभाले निर्देशन की जिम्मेदारी संभालेंगे। आदित्य सुहास जंभाले ने क्रिटिक्स के जरिए लघु फिल्मों जैसे आबा।..एकताय ना?, खरवास, और अमृतसर जंक्शन का डायरेक्शन करके नेम फेम पाया है।

बॉलीवुड | मन की बात

ओटीटी पर धूम्रपान विरोधी दिशा निर्देश से तिलमिलाए हंसल मेहता

बीते दिन सरकार ने ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के लिए एक जरूरी दिशानिर्देश जारी किया। इसके अनुसार अब ओटीटी प्लेटफॉर्म्स को कार्यक्रम में तंबाकू उत्पाद प्रदर्शित करने या फिर उसका उपयोग किए जाने के दौरान स्क्रीन के नीचे एक प्रमुख स्थिर तंबाकू विरोधी संदेश चलाते हुए लोगों को स्वास्थ्य चेतावनी देना अनिवार्य होगा। जहां तमाम लोग शासनादेश के इस आदेश की तारीफ कर रहे हैं, तो वहीं कुछ इसकी आलोचना करते भी नजर आ रहे हैं। आलोचना करने वालों में अब मशहूर फिल्ममेकर हंसल मेहता का भी नाम जुड़ गया है। फिल्ममेकर हंसल मेहता ने शासनादेश के इस दिशानिर्देश को व्यंगयात्मक तरीके से प्रगतिशील निर्णय बताया है। हंसल ने अपने विचार को व्यक्त करने के लिए अपने ऑफिशियल ट्विटर हैंडल का सहारा लिया है। आदेश पर अपने विचार साझा करते हुए हंसल ने ट्वीट में लिखा है, हां, तम्बाकू उत्पाद और धूम्रपान से होने वाली मौतों का एकमात्र कारण हमारे शो या फिल्में हैं। इन टिकर को लगाने से हमारे पास स्वस्थ्य लोग होंगे जो धूम्रपान नहीं करते हैं। बहुत प्रगतिशील निर्णय। स्कूप और स्कैम 1992 जैसी वेब सीरीज का निर्माण कर चुके हंसल मेहता का यह ट्वीट सामने आते ही सोशल मीडिया पर छा गया है। वहीं, फिल्ममेकर ने ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर धूम्रपान अस्वीकरण को शामिल करने वाली रिपोर्ट में एक विशिष्ट पंक्ति पर प्रतिक्रिया देते हुए लिखा है, यह निर्णय लोगों के स्वास्थ्य की रक्षा करने और तंबाकू के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए किया गया है। हंसल मेहता के इस विचार पर सोशल मीडिया दो गुटों में बंट गया है। एक ट्विटर यूजर ने रिएक्ट करते हुए लिखा है, अगर यह निर्णय 100, 10 या यहां तक कि एक व्यक्ति को धूम्रपान या तम्बाकू सेवन की आदत छोड़ने से रोकता है, तो मुझे वास्तव में लगता है कि यह एक अच्छा निर्णय है। दूसरे ने लिखा है, सर, फिल्मों में भोले-भाले लोगों को प्रभावित करने की ताकत होती है। आज के वितरण और पहुंच के साथ जांच करना और भी महत्वपूर्ण हो गया है। स्व-नियमन सबसे पहले होना चाहिए। इन दिनों ओटीटी पर जिस तरह की सामग्री उपलब्ध है, उसे देखते हुए मैं अपने बच्चों के बचपन को लेकर डरा हुआ हूं।

इस किसान के पास है खुद की ट्रेन घर बैठे लेता है कमाई का पूरा हिस्सा

एक दौर था जब जब राजा-महाराजों के पास हाथी-घोड़े, पालकियां और सुविधाओं से जुड़े हर साधन हुआ करते थे। जब वक्त बदला, पूंजीवाद ने दुनिया में दस्तक दी, तब करोड़पति और अरबपति लोग ऐसी सुख सुविधाएं उठाने लगे। उनके पास अपने प्राइवेट जेट आ गए। भारत में भी कुछ लोग ऐसे हैं जिनके पास प्राइवेट प्लेन और करोड़ों की कारें हैं, पर क्या आपने भारत में किसी के पास प्राइवेट ट्रेन होते सुना है। ऐसा नहीं सुना होगा क्योंकि भारत में रेलवे भारत सरकार के अधीन है, वो सरकारी संपत्ति है। पर एक व्यक्ति ऐसा जरूर है, जो इकलौता भारतीय है, जिसके पास एक ट्रेन है। वो रेलवे की एक बड़ी गलती की वजह से ट्रेन का मालिक बन गया और अब घर बैठे उस ट्रेन से होने वाली कमाई का हिस्सा लेता है। हम जिस व्यक्ति की बात कर रहे हैं, उसका नाम संपूर्ण सिंह है और वो लुधियाना के कटाणा गांव के रहने वाले हैं। एक दिन वो अचानक दिल्ली से अमृतसर जाने वाली ट्रेन, स्वर्ण शताब्दी एक्सप्रेस के मालिक बन गए जिसके बाद वो सुर्खियों में भी आ गए थे। हुआ यूं कि लुधियाना-चंडीगढ़ रेल लाइन के बनने के वक्त साल 2007 में रेलवे ने किसानों की जमीन को खरीदा था। उस वक्त जमीन को 25 लाख रुपये प्रति एकड़ में अधिग्रहित किया गया था। पर मामला तब फंसा जब उतनी ही बड़ी जमीन नजदीक के गांव में 71 लाख रुपये प्रति एकड़ में अधिग्रहित की गई थी।इस बात से संपूर्ण सिंह आहत हुए और शिकायत लेकर कोर्ट पहुंच गए। कोर्ट ने जो पहला आदेश दिया उसमें मुआवजे की रकम 25 लाख से बढ़ाकर 50 लाख कर दी पर फिर उसे भी बढ़ाकर 1.47 करोड़ रुपये से ज्यादा कर दी। पहली याचिका 2012 में दायर की गई थी। कोर्ट ने 2015 तक उत्तरी रेलवे को भुगतान करने का आदेश दिया था। रेलवे ने सिर्फ 42 लाख रुपये दिये, जबकि 1.05 करोड़ रुपये नहीं चुकाया। जब रेलवे रुपये चुकाने में असमर्थ रही, तब साल 2017 में जिला और सत्र न्यायाधीश जसपाल वर्मा ने लुधियाना स्टेशन पर ट्रेन को कुर्क करने का आदेश दे दिया। स्टेशन मास्टर के ऑफिस को भी कुर्क किया जाना था। वकीलों के साथ संपूर्ण सिंह स्टेशन पहुंचे और ट्रेन को कुर्क कर लिया गया। यानी अब वो ट्रेन के मालिक बन चुके थे। इस तरह वो भारत के इकलौते व्यक्ति बन गए जो ट्रेन के मालिक थे। हालांकि, सेक्शन इंजीनियर ने कोर्ट के अधिकारी के जरिए ट्रेन को 5 मिनट में ही मुक्त करवा लिया। अगर ट्रेन कुर्क हो जाती तो सैकड़ों लोगों को परेशानी हो जाती। रिपोर्ट्स की मानें तो ये मामला अभी भी कोर्ट में जारी है।

अजब-गजब | होली से पहले इस परंपरा का किया जाता है पालन

भारत में यहां पर दो लड़कों की आपस में कराई जाती है शादी

दुनिया के अलग-अलग देशों में शादी को लेकर अलग-अलग परंपराओं का पालन किया जाता है। हिंदू धर्म में शादी को सात जन्मों का बंधन बताया गया है। दुनिया में शादी को लेकर कई अजीबोगरीब परंपराओं का पालन किया जाता है। इनके बारे में जानकर लोग हैरत में पड़ जाते हैं। ऐसे ही अजीबगरीब परंपरा का पालन भारत के कुछ इलाकों में किया जाता है। यहां शादी को लेकर बिल्कुल अलग परंपरा है।

जानकर आपको यकीन नहीं होगा, लेकिन यह पूरी तरह से सच है। दरअसल, भारत में एक स्थान पर दो लड़कों की आपस में शादी कराई जाती है। होली के त्योहार से पहले इस परंपरा का पालन किया जाता है। इसके पीछे की वजह बेहद दिलचस्प है। भारत के राजस्थान प्रदेश के एक गाव में इस अजीबोगरीब परंपरा का पालन किया जाता है। आइए जानते हैं कि आखिर इस अनोखी परंपरा के पीछे की

गांव के बुजुर्गों के मुताबिक, होली के ठीक पहले की रात को इस परंपरा का पालन किया जाता है। परंपरा के मुताबिक, दो छोटे लड़के दूल्हा और दुल्हन बनते हैं। इस शादी में पूरे गांव के लोग शामिल होते हैं और जश्न मनाते हैं।

शादी के लिए बेहद खास तरीके दूल्हा और दुल्हन के लिए लड़कों को चुना जाता है। जो लड़के जनेऊ न पहनें हों सिर्फ वही दूल्हा-दुल्हन बन सकते हैं। गोरिया समुदाय के लोग दूल्हा और दुल्हन के लिए लड़कों का चुनाव करते हैं। इस प्रक्रिया को भी गेरिया कहा जाता है। दोनों लड़कों की विधि-विधान के साथ शादी कराई जाती है और अग्नि के चार फेरे लगवाए जाते हैं। इसके साथ ही सात वचन दिलाए जाते हैं। शादी के बाद दूसरे दिन दुल्हा-दूल्हन बने लड़कों को बैलगाड़ी में बैठाकर पूरे गांव में घुमाया जाता है। इसके बाद गांव में लोग एक दूसरे को रंग लगाते हैं और होली का त्योहार मनाते हैं।

बड़ोदिया गांव में शादी को लेकर अनोखी परंपरा के पीछे एक खास वजह है। कई सालों तक यह गांव दो भागों में बंटा था। लोगों ने दोनों ही गांव के लोगों में प्यार बढ़ाए रखने के लिए एक अनोखा तरीका निकाला। दोनों ही गांव से एक-एक लड़के को चुनकर उनकी शादी कराई जाती थी और लोग जश्न मनाते थे। इसके बाद से यह परंपरा चलती आ रही है।

पीएम घबराकर बार-बार आ रहे राजस्थान : गहलोत

» सीएम बोले-डायरी का हौव्वा खड़ा किया जा रहा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। सीएम अशोक गहलोत ने पीएम मोदी के सीकर में जनसभा में दिए भाषण के जमकर पलटवार किया है। गहलोत ने कहा कि क्या पीएम घबरा गए, जो बार-बार राजस्थान आ रहे हैं। जिसने डायरी हौव्वा खड़ा किया है, वो हमारे साथ था, लेकिन अब मोहरा बन गया है। गहलोत बोले कि पीएम का पद गरिमा का होता है। उन्होंने लाल डायरी की बात कही। सीबीआई, इनकम टैक्स, ईडी उनकी है, क्या वो सच पता नहीं कर सकते थे। मणिपुर की घटना की तुलना राजस्थान से करना राजस्थान के स्वाभिमान पर चोट है।

गहलोत ने कहा कि राज्य की जनता को दस गारंटी हमने दी हैं। गारंटी का मतलब गारंटी होता है। गारंटी की हमारी योजनाएं लागू हो चुकी हैं। हम फसल बीमा की गारंटी भी जल्द पूरी करेंगे। केंद्र सरकार पैसा देकर राज्य पर एहसान नहीं करती है, जो हम आपको 500 रुपये में गैस का सिलेंडर दे रहे हैं, तो कोई एहसान नहीं कर रहे हैं। महिला बचत करेगी तो बच्चे का अच्छे से लालन-पालन करेगी। जैसा पिछले पांच साल में हुआ है, वैसा प्रदेश में आज तक नहीं हुआ।

प्रदेश की जनता लाल झंडी दिखाएगी

गहलोत बोले- सबसे अधिक छापे हमारे एंटी करप्शन ब्यूरो ने प्रदेश में डाले हैं। अब पीएम मोदी चुनाव के तीन महीने पहले इतना घबरा गए हैं कि अंट-शंट आरोप लगा रहे हैं। प्रधानमंत्री जी आपने उज्ज्वला योजना बनाई। हम जब सरकार में आए, तो स्कीम बंद नहीं की। मुझे खुशी है राजस्थान में हमने 500 रुपये का सिलेंडर देने का साहस किया। डायरी लाल की बात करते हैं। कल पार्लियामेंट में भी डायरी की बात उठाई गई। गहलोत बोले- चुनाव के पहले वो घबरा गए हैं। जनता क्या सोच रही है, इसलिए जानबूझकर आरोप लगा रहे हैं। आपको तो कहना था कि सिलेंडर का रंग लाल है, अब लाल टमाटर भी महंगा हो गया है। उनको इसे काबू करना चाहिए। जैसे लाल टमाटर लाल है, वैसे ही गुस्से में लोगों का चेहरा भी लाल हो गया है। सीएम ने मणिपुर मुद्दे पर कहा कि कहां मणिपुर, कहां राजस्थान? मणिपुर में लगातार हिंसा हो रही है, मारकाट हो रही है।

पूरी तरह राजनीतिक है पीएम की यात्रा

गहलोत बोले पीएम की यात्रा राजनीतिक है। केंद्र सरकार पैसा देकर एहसान नहीं कर रही है। जिस रूप में बदनाम करने की कोशिश हमारी योजनाओं को की है, वो कहते हैं रेवड़ी बांट रहे हैं, जबकि हमारी सरकार ने गुड गवर्नेंस दी है और काम किए हैं। आज घर-घर में उनकी चर्चा है। प्रशासनिक दृष्टिकोण से पहली बार जो काम पिछले पांच साल में हुआ है। आम लोग मानते हैं कि ऐसा आज तक कभी किसी जिले में नहीं होगा। एमपी में उनकी सरकार क्या कर रही है, बताएं।

केंद्र के सारे वादे खोखले : डोटासरा

पीसीसी चीफ डोटासरा ने कहा कि केंद्र सरकार नातो महंगाई कम कर पाई, ना 15 लाख रुपये खाते में डाले, न किसानों का कर्जा माफ कर पाए, हमारी कांग्रेस सरकार ने किसानों के लिए अलग से बजट देकर राजस्थान का बजट दो गुना करने का काम काम किया है। कोरोना में बेहतर मैनेजमेंट है। केंद्र सरकार बेस्ट मैनेजमेंट कर सरकार चला रही है और दिखावा कर रही है। हम में और उनमें यही फर्क है डोटासरा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मैं पूछना चाहता हूं कि उनकी केंद्र सरकार तीन काले कानून लेकर आई थी। इसके खिलाफ आन्दोलन में बड़ी संख्या में किसानों की मौतें हुईं। किसानों से वह माफी क्यों नहीं मानते। शेखावाटी में आए हैं, तो किसानों को बताएं। क्या हिंदुस्तान में पेपर लीक नहीं हो रहे हैं, हो रहे हैं तो बताएं क्या कानून बनाए। वो मन की बात करते हैं। हम उनकी परवाह नहीं करते।

भारतीय जनता पार्टी के पास नहीं बचा कोई मुद्दा : सचिन पायलट

टोंक। सचिन पायलट ने कहा, भारतीय जनता पार्टी के पास मुद्दा बचा नहीं है। केंद्र में बीजेपी सरकार में है, वहां विफल रही। राजस्थान में बीजेपी विपक्ष में है, यहां भी फेल रही। यह अजीब पार्टी है जो सत्ता में भी फेल हो रही है और विपक्ष में भी फेल हो रही है। साढ़े चार साल में इनके पास कहने को कोई मुद्दा बचा नहीं है। आपसी झगड़ों में फंसे हुए हैं। सदन के अंदर और बाहर विपक्ष की भूमिका राजस्थान में बीजेपी के नेता निभा नहीं पाए और चुनाव आने से पहले इस तरह की बातें फैलाना उनकी आदत है। लेकिन इस साल के आखिर में राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना में विधानसभा चुनाव होंगे। चारों राज्यों में मुझे विश्वास है कांग्रेस पार्टी की सरकार बनेगी। पायलट ने कहा, आप अगर प्रधानमंत्री जी के भाषण सुनेंगे तो जैसे-जैसे चुनाव पास आते हैं प्रधानमंत्री के भाषण पॉलिटिकल होने लग जाते हैं। आज भी उन्होंने ईआरसीपी की बात नहीं की। राज्य का जो केंद्र पर बकाया है, उसकी बात नहीं की। राजस्थान के 25 सांसद काम नहीं करवा पा रहे हैं। संसद का सदन चल रहा है और विपक्ष की ओर से अविश्वास प्रस्ताव लाया जा रहा है, लेकिन मणिपुर के हिंसा के मुद्दे पर उन्होंने मौन व्रत धारण किया हुआ है। हम सब चाहते हैं कि इस मुद्दे पर चर्चा हो। चर्चा के बाद उचित कार्रवाई हो, क्योंकि आज तीन महीने हो चुके हैं। तीन महीने से उत्तर-पूर्व के एक राज्य में कानून व्यवस्था बची नहीं है। एक तरीके से आक्रामक रवैया वहां लोगों ने अपना रखा है। बलात्कार हो रहे हैं, आग लग रही है और हिंसा हो रही है। हम चाहते हैं कि यह सब रुके और प्रधानमंत्री जी आश्वासन दें, कि दोबारा वहां ऐसा नहीं होगा।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने लगाया जागरुकता शिविर

» बन्दियों को मिलने वाले अधिकारों की दी गई जानकारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ एवं रवीन्द्र नाथ दूबे जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के दिशा निर्देशन में जिला कारागार, बाराबंकी में लीगल एड डिफेन्स काउन्सिल सिस्टम विषय पर शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में कारागार में निरूद्ध बन्दियों एवं जिला कारागार के अधिकारियों के द्वारा प्रतिभाग किया गया।

इस शिविर में श्रीमती नाजनीन बानो अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के द्वारा बन्दियों को उनके अधिकारों के बारे में जागरूक करते हुये बताया गया कि प्रत्येक बन्दी को कानून में विभिन्न प्रकार के विधिक अधिकार प्राप्त है जैसे किसी बन्दी के पास अधिवक्ता नही होता है तो वह जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को नि:शुल्क अधिवक्ता प्राप्त करने का प्रार्थना पत्र दे सकता है, प्रत्येक बन्दी को अपने घर वालो से मुलाकात करने का, पढ़ने का अधिकार, परिजनों से मिलने का अधिकार, फोन पर परिजनों से बात करने का अधिकार, इलाज का अधिकार, न्यूनतम मजदूरी का अधिकार, कानूनी सहायता प्राप्त करने का अधिकार आदि प्राप्त है। इस अवसर पर जेलर आलोक शुक्ला, विनोद कुमार तिवारी चीफ लीगल एड डिफेन्स काउन्सिल, ी तेज शंकर श्रीवास्तव असिस्टेन्ट लीगल एड डिफेन्स काउन्सिल, मनीष सिंह डिप्टी जेलर, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से मो. सलमान कनिष्ठ लिपिक उपस्थित रहें।

यूपी में भारी बारिश का अलर्ट जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। शुक्रवार को देश के कई इलाकों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। कई राज्यों में आज तेज हवाएं चलेंगी। मौसम विभाग के अनुसार, आज देश के विभिन्न राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। विभाग के अनुसार, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और जम्मू कश्मीर में शुक्रवार और शनिवार भारी बारिश का अनुमान है।

पहाड़ी राज्यों में एक अगस्त तक भारी बारिश हो सकती है। हालांकि पहाड़ों पर बाढ़ की वजह से जन-जीवन प्रभावित है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र के विदर्भ के कुछ इलाकों में भी आज भारी बारिश के आसार हैं। इसी तरह दक्षिण में तटीय और उत्तरी कर्नाटक और तेलंगाना, पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड और उत्तर पूर्व में अरुणाचल प्रदेश और असम मेघायल में जमकर बारिश के आसार हैं। शुक्रवार को मुंबई में भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है।

सुप्रीम कोर्ट ने लगाई यूपी सरकार को फटकार

» रामपुर के एक मामले में पूछा-आप मानते हैं बुलडोजर चलाना गलत है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने यूपी सरकार से पूछा, तो क्या आप घरों पर बुलडोजर चलाने को गलत मानते हैं? दरअसल, यूपी सरकार ने रामपुर में एक व्यक्ति के घर पर बुलडोजर चलाने वाले एक आरोपी फसाहत अली खान की जमानत का विरोध किया था।

इस पर जस्टिस संजय किशन कौल की पीठ ने सरकार की खिंचाई की। उनका इशारा यूपी सरकार की आरोपियों के घरों पर बुलडोजर कार्रवाई की ओर था। जस्टिस संजय किशन कौल और जस्टिस सुधांशु धूलिया की पीठ के समक्ष याचिकाकर्ता के वकील ने कहा, हमारे मुवक्किल के खिलाफ दायर मामला राजनीति से प्रेरित था। चुनाव के दौरान ये मामले दर्ज किए गए थे। उन्होंने कहा, वे (पुलिस) कह रहे हैं कि हिरासत में पूछताछ की जरूरत है लेकिन परिस्थिति में कोई बदलाव नहीं हुआ है। सभी एफआईआर राजनीति से प्रेरित हैं। इस पर यूपी के अतिरिक्त महाधिवक्ता (एएजी) आरके रायजादा ने कहा, पिछली एफआईआर और उसके अपराधों पर पहले विचार नहीं किया गया था। इसलिए हाईकोर्ट ने कहा था कि उन पर विचार किया जाना चाहिए। वह हाईकोर्ट के सामने पेश नहीं हुआ। यह आदमी एक पुलिस अधिकारी के साथ था।

कुलदीप-जडेजा ने वनडे में रचा इतिहास

पहली बार वनडे में दो लेफ्ट आर्म स्पिन गेंदबाजों ने 10 में से 7 विकेट चटकाए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पोर्ट आॅफ स्पेन। भारत और वेस्टइंडीज के बीच वनडे सीरीज में घातक स्पीनर्स कुलदीप यादव और रवींद्र जडेजा ने शानदार खेल दिखाते हुए इतिहास रच दिया है। दोनों खिलाड़ियों ने कैरेबियाई टीम के खिलाफ ऐसी गेंदबाजी की कि नया रिकॉर्ड ही बन गया।

भारत और वेस्टइंडीज के बीच जारी वनडे सीरीज का पहला मुकाबला भारत ने पांच विकेट से जीता है। इस मुकाबले में भारतीय टीम के घातक स्पिनर्स रवींद्र जडेजा और कुलदीप यादव का खास योगदान रहा। मैच में दोनों खिलाड़ियों ने ऐसी गेंदबाजी की जिससे क्रिकेट में इतिहास में दोनों का नाम लिख दिया गया है। एक दिवसीय मैच में ऐसा पहली बार हुआ है जब दो लेफ्ट आर्म स्पिन गेंदबाजों की जोड़ी ने 10 में से सात खिलाड़ियों को पवेलियन का रास्ता दिखाया है। ये क्रिकेट के इतिहास में पहली बार है जब दो लेफ्ट आर्म स्पिन गेंदबाजों की जोड़ी ने एक ही पारी में 10 में से 7 विकेट चटकाए। बता दें कि कुलदीप यादव बाएं हाथ के चाइनामैन गेंदबाज है वहीं रवींद्र जडेजा स्लो लेफ्ट आर्म फिंगर स्पिनर है।

भारत ने पहला वनडे पांच विकेट से जीता

भारत और वेस्टइंडीज के बीच जारी वनडे सीरीज का पहला मुकाबला भारत ने पांच विकेट से जीता है। दोनों खिलाड़ियों ने शानदार खेल दिखाते हुए वेस्टइंडीज की टीम को 23 ओवर में 114 रन पर समेट दिया। वेस्टइंडीज के खिलाफ 27 जुलाई को ब्रिजटाउन में खेले गए पहले वनडे मैच में जीत के हीरो रहे रवींद्र जडेजा और कुलदीप यादव क्योंकि मैच जीतने में दोनों का अहम योगदान था। इस मैच में दोनों ने ऐसी गेंदबाजी की जिससे दोनों के नाम नया वर्ल्ड रिकॉर्ड हो गया है।

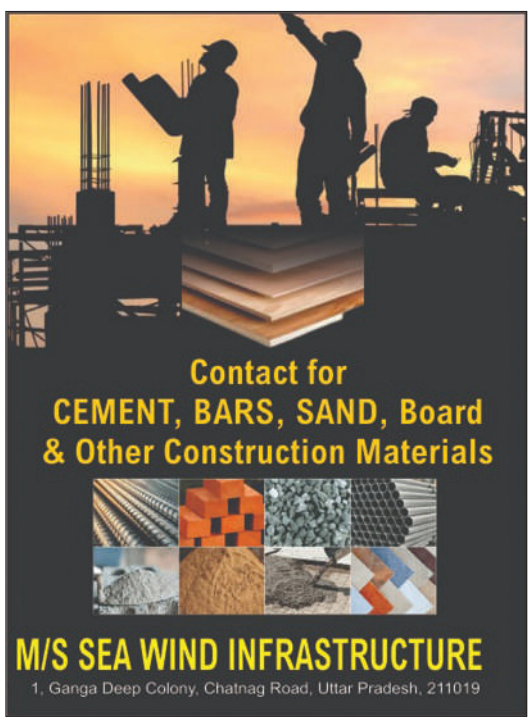

पूर्वी लद्दाख-अरुणाचल की सीमा पर चीन ने फिर गड़ाई आंख

» एलएसी के नजदीक लगातार अपनी सैन्य ताकत को मजबूत कर रहा चीन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

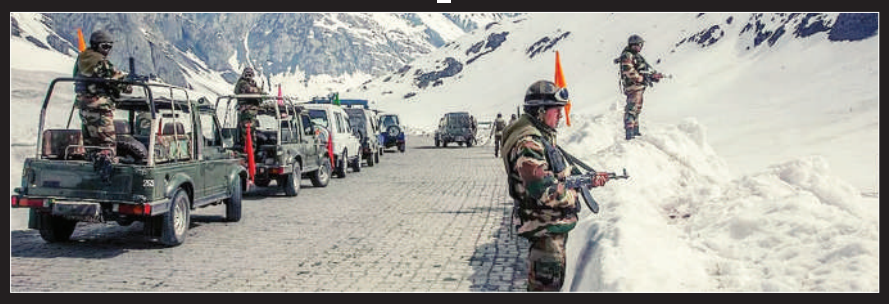

नई दिल्ली। भारत और चीन के बीच सीमा विवाद खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है, दोनों सेनाओं के बीच कई स्तर पर इसे लेकर बातचीत हो चुकी है, लेकिन हर बार चीन कुछ ऐसा करता है जिससे विवाद खत्म होने की बजाय और बढ़ जाता है, अब एक बार फिर चीन ने पूर्वी लद्दाख से लेकर अरुणाचल तक फैली एलएसी पर सैन्य गतिविधियों को बढ़ा दिया है, इसी बीच आर्मी चीफ जनरल मनोज पांडे ने गुरुवार (27 जुलाई) को लेह में 14 कोर मुख्यालय का दौरा किया और हालात का जायजा लिया।

चीन ने सीमा के इन इलाकों में चीनी सेना सतह से हवा में मार करने वाली घातक मिसाइलें, रडार और गोला-बारूद के साथ मौजूद है। आर्मी चीफ इस हालात को देखते हुए सीमा के कुछ और इलाकों का भी दौरा कर सकते हैं। हाल ही में पाकिस्तानी सीमा के पास जनरल पांडे ने सियाचिन ग्लेशियर का भी दौरा किया था। कुछ महीने पहले अप्रैल में चीन और भारत की सेना के बीच बातचीत हुई थी, इस दौरान चीनी सेना की तरफ से देपसांग के साथ-साथ पूर्वी लद्दाख के डेमचोक में चार्डिंग निंगलुंग नाला के नजदीक मौजूद सेना को हटाने से इनकार कर दिया गया था. इसके बाद दोनों देशों के बीच कोर कमांडर-स्तरीय वार्ता का 19वां दौर शुरू होना है।

कांग्रेस पार्टी ने मोदी सरकार को घेरा

चीन से मुद्दे पर कांग्रेस ने भी मोदी सरकार को घेरा है और सवाल दागे हैं। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के जी 20 शिखर सम्मेलन के दौरान एक दूसरे का अभिवादन स्वीकार किए जाने संबंधी विदेश मंत्रालय के बयान को लेकर सवाल उठाते हुए पूछा, क्या बीजिंग के साथ सीमा विवाद सुलझ गया है? पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने सरकार से ये भी पूछा कि क्या आखिरकार चीनी सैनिक देपसांग और डेमचोक से पीछे हट जाएंगे? विदेश मंत्रालय ने 27 जुलाई को कहा था कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने पिछले साल बाली में जी20 शिखर सम्मेलन में एक डिनर के दौरान एक-दूसरे का अभिवादन स्वीकार किया और द्विपक्षीय संबंधों को स्थिर बनाए रखने की जरूरतों पर बातचीत की थी।

21वीं सदी के भारत में अपार अवसर : मोदी

» सेमीकॉनइंडिया 2023 सम्मेलन में बोले पीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गांधीनगर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को गुजरात के गांधीनगर में सेमीकॉनइंडिया 2023 सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने सेमीकॉन इंडिया 2023 प्रदर्शनी को देखने के लिए लोगों से अपील की। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने आए हुए निवेशकों का भी स्वागत किया। पीएम मोदी ने कहा कि आज हवा का रुख बदला हुआ है।

यह सब आप लोगों की वजह से संभव हुआ है। उन्होंने निवेशकों से कहा कि 21वीं सदी के भारत में आपके लिए अपार अवसर हैं। भारत का लोकतंत्र, भारत की जनसांख्यिकी और भारत से मिलने वाला लाभांश आपके व्यवसाय को दोगुना, तिगुना कर सकता है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जैसे सॉफ्टवेयर को अपडेट करना आवश्यक है, वैसे ही यह कार्यक्रम भी है। सेमीकॉनइंडिया के माध्यम से उद्योग, विशेषज्ञों और नीति निर्माताओं के साथ संबंध अपडेट होते रहते हैं। मेरा यह भी मानना है कि संबंधों में तालमेल के लिए यह आवश्यक है।

सिर्फ दो साल में भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात हुआ दोगुना

सेमीकॉनइंडिया कॉन्फ्रेंस 2023 में पीएम मोदी ने कहा कि हम भारत के डिजिटल क्षेत्र और इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण में तेजी से वृद्धि देख रहे हैं। कुछ साल पहले भारत इस क्षेत्र में एक उभरता हुआ खिलाड़ी था और आज, वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में हमारी हिस्सेदारी कई गुना बढ़ गई है।

वृंदावन में प्रेम मंदिर के सामने फटा सिलिंडर, मची अफरा-तफरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। यूपी के मथुरा में शुक्रवार को बड़ा हादसा हो गया। यहां के वृंदावन में प्रेम मंदिर के सामने रेस्टोरेंट में भीषण आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग की लपटें इतनी भयानक थी कि कोई भी रेस्टोरेंट के पास तक जाने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा था। इस दौरान जैसे ही धमाके के साथ गैस सिलिंडर फटे तो लोगों में दहशत फैल गई।

घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंच गई। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। आग लगने से 50 लाख से अधिक का नुकसान बताया जा रहा है। दरअसल, वृंदावन में प्रेम मंदिर के सामने दरबार नाम का एक रेस्टोरेंट है। शुक्रवार की सुबह इस रेस्टोरेंट में करीब 7:30 बजे आग लग गई। आग की घटना के दौरान रेस्टोरेंट के साथ आसपास के लोगों में आगरा तफरी मच गई, लोग रेस्टोरेंट से भागने लगे। दहशत उस समय फैल गई, जब गैस सिलिंडर भी फटने लगे। सूचना मिलते ही तीन फायर ब्रिगेड की गाडियां मौके पर पहुंच गईं। करीब दो घंटे में बमुश्किल आग पर काबू पाया। हालांकि, आग लगने का कारण अभी स्पष्ट नहीं है। संभावना जताई जा रही है कि आग शार्ट सर्किट से लगी है।

सुप्रीम कोर्ट ने भीमा कोरेगांव केस के दो आरोपियों को जमानत दी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को भीमा कोरेगांव केस के आरोपियों एक्टिविस्ट वेरनन गोंजाल्वेज और अरुण फरेरा को जमानत दे दी। जस्टिस अनिरुद्ध बोस और जस्टिस सुधांशु धूलिया की बेंच ने कहा- आरोपी 5 साल की जेल काट चुके हैं। भले ही उनके खिलाफ लगे आरोप गंभीर हैं, लेकिन जेल में काटी गई इस अवधि के चलते वो जमानत के हकदार हैं।

गोंजाल्वेस और फरेरा को 2018 में जेल भेजा गया था। बॉम्बे हाईकोर्ट से जमानत नामंजूर होने के बाद उन्होंने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। दोनों ने कहा था कि हाईकोर्ट ने उनकी बेल एप्लीकेशन को खारिज कर दिया, जबकि सह-आरोपी सुधा भारद्वाज को जमानत दे दी।

दिल्ली में डीयू की छात्रा की सरेआम रॉड से पीटकर हत्या

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में फिर एक खौफनाक मामला सामने आया है। मालवीय नगर में एक लड़की पर रॉड से हमला किया गया है। मिल रही जानकारी के अनुसार रॉड से किए गए इस हमले में लड़की की मौत हो गई है।

हत्यारा फरार, पुलिस छानबीन में जुटी

पुलिस ने घटना की जानकारी मिलते ही आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतक लड़की कमला नेहरू कॉलेज की छात्रा बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार घटना अरबिंदो कॉलेज के पास की है, आरोपी ने लड़की पर रॉड से हमला करने के बाद मौके से फरार हो गया है,अभी तक मिली जानकारी के अनुसार हमलावर लड़के की उम्र 25 साल के आसपास बताई जा रही है। पुलिस अधिकारी के अनुसार यह घटना पार्क में हुई है, घटना में जिस लड़की की हत्या हुई है उसकी उम्र 22 से 23 साल के बीच है, लड़की दिल्ली विश्वविद्यालय के कमला नेहरू कॉलेज में पढ़ती थी, उसके सिर पर रॉड से हमला किया गया है, अभी तक की जांच में पता चला है कि ये अपने किसी दोस्त के साथ यहां आई थी, हम फिलहाल इस पूरे मामले की जांच कर रहे हैं, ओरपी की पहचान करने के लिए भी हमारी टीम काम कर रही है।

उन्नाव में अज्ञात वाहन की एम्बुलेंस से भिड़ंत

» वृद्धा और तीन बेटियों की मौत, चौथी गंभीर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

उन्नाव। उन्नाव जिले के मोहनलालगंज-पुरवा मार्ग पर तुसरौर गांव के पास अज्ञात वाहन ने शव लेकर जा रही निजी एम्बुलेंस में टक्कर मार दी। हादसे में मृतक की पत्नी और उसकी तीन बेटियों की मौत हो गई। वहीं, चौथी बेटी की हालत गंभीर है। उसका कानपुर के निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। हादसे की सूचना पर एसपी, एएसपी, सीओ सहित भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा। पंचनामा की कार्रवाई कर शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे गए हैं।

टक्कर इतनी तेज थी कि एम्बुलेंस के परखच्चे उड़े गए। घटना के बाद एम्बुलेंस चालक भाग निकला। उसको पकड़ने के लिए टीमें लगी हैं। मौरावां थाना क्षेत्र के कस्बा निवासी धनीराम सविता (75) सेवानिवृत्त चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी थे। साल 2007 में वह केएनपीएन इंटर कॉलेज मौरावां से सेवानिवृत्त हुए थे।

एक सप्ताह पहले पैरालिसिस का अटैक पड़ने और सांस लेने में दिक्कत होने से 24 जुलाई को परिजन जिला अस्पताल लेकर गए थे। वहां से कानपुर हैलट रेफर कर दिया गया था। शुक्र वार सुबह तीन बजे धनीराम इलाज के दौरान मौत हो गई। परिजन प्राइवेट एम्बुलेंस से शव लेकर घर जा रहे थे।

पुरवा-मोहनलालगंज मार्ग पर तुसरौर गांव के पास सुबह करीब पांच बजे अज्ञात वाहन ने एम्बुलेंस में टक्कर मारते हुए निकल गया।

ट्रक की टक्कर से उड़े कार के परखच्चे, चार की मौत

लखनऊ। बाराबंकी में लखनऊ-अयोध्या एनएच-28 पर ट्रक और कार में भीषण टक्कर हो गई। हादसे के दौरान कार के परखच्चे उड़ गए। ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने कार में फंसे 4 व्यक्तियों निकाल कर गंभीर हालत में जिला अस्पताल भेजा है। सभी की हालत नाजुक बताई जा रही है। पांच लोग कार में सवार होकर देव-दर्शन के बाद लखनऊ की ओर जा रहे थे। सफेदाबाद ओवर ब्रिज के निकट गलत साइड से अचानक सामने से आ रहे ट्रक से टक्कर हो गई। नगर कोतवाली क्षेत्र के सफेदाबाद की शुक्रवार सुबह की घटना है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।